

रीजिस्ट्रेशन नं. डी-१००.एन. १२७



भारत का अजापत्र

The Gazette of India

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग 1—खण्ड 1

PART I—Section 1

शाधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

S. 219]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 31, 1990/भाद्र 9, 1912
NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 31, 1990/BHADRA 9, 1912

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
उपलब्ध कर सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

—२८— संग्रहालय

अधिसंचार

वर्ष दिल्ली, 31 अगस्त, 1990

विषय : श्री जी एल-८३ के अन्तर्गत कतिपय यान्-फ्रिक्सन नथा मेडिग्रेप मदों के उन देशों को होते वाले नियतों के संबंध में सर्वांदर्शी तिदातों जहाँ पर ऐसे नियति करवाई गई हैं। वर्ष 1991-९३ के लिये माना सर्वांगी नियंत्रण के अधीन हैं।

(1) प्रमाणावली :

सं. 14/90 ईरी (टी सिंड जे) । (वस्त) ।—पार्ट, फ़िलिप्पिस तथा मेंड्राम्प
के संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूरोपीय आर्थिक समुदाय, आस्ट्रिया,
फिल्लिंड, स्वीडन तथा नर्वे को होने वाले नियर्ति के संबंध में ओ जी पाल-3
में दिये गये उपबंधों के अनुसार, वर्ष 1991 से 1993 के लिये
हकदारियों के आवंटन संबंधी नीति जिसे इसके बाद आवंटन नीति कहा
गया है। वह होगी जो इसमें इसके नीति वी गई है। किंतु वार्ताओं
के उत्तरवे दौर के नीतियों और मध्य प्रदेश के भविष्य के अधार पर
आवश्यकतानुसार इस नीति में संशोधन का अधिकार सरकार के पास
मुश्किल है।

(2) प्रथास्त्र :—

(2) उपरोक्त प्रयोगन के लिए कार्यकारी निदेशक, टेक्निकल प्रोफेशनल नथा मन्त्रिव, उत्तर तथा उनी वस्तु निर्यात संबंधित परिवहन का अधिकारी प्रबन्ध देता है और उसमें ऐसे अधिकारियों को जामिल करेंगे जिन्हें यह होगा तथा उत्तर तथा उत्तरदायित्व अवश्य अवश्यक है। अवश्य पूर्णतः संस्कृतया अथवा अन्यथा प्रत्यायोजित करें।

(3) कार्यकारी नियंत्रण, टेक्स्मप्रेसिल तथा सचिव, उन तथा उनी वस्तु नियर्त संवर्धन परिवद उनके द्वारा लागू किनी भी प्रत्यायोत्तन के होने हुए भी इस आवंटन नीति के किप्रत्यक्षन के लिये वस्तु मंत्रालय के प्रति उनांदायी होंगे।

(4) वस्त्र मंवालय इस अधिमूचना के किन्हीं भा उपत्वन्ध के निर्वाचन के संबंध में अन्तिम प्राधिकारी होगा। वस्त्र मंवालय प्राप्तान

(1)

अभिकरण, उसके कार्यों तथा वायिलों के संबंध में समय-समय पर ऐसे मार्गदर्शी सिद्धांत भी जारी कर सकेगा जैसा वह उचित समझे और वह ऐसे प्रधिकारियों को कार्यों तथा वायिलों को अंगतः अध्यक्ष पूर्णतः पुन अवृंदित कर सकता है, जैसा कि वह उचित समझे।

(5) नियंत्रित हक्कारियों का आवंटन केवल उन्हीं नियंत्रिकों को किया जाएगा जो आवान-नियंत्रित नीति के अनुसार सभी पंक्तों के प्राधिकारियों के पास पैदा करते हैं।

3. आधार प्रवधि :

किसी वर्ष के लिये "आधार प्रवधि" आवंटन इस अधिकृतमा में जहाँ कहीं आया हो, उसका अधिकार उन दो कोलेजर वर्षों से होगा जो उस आवंटन वर्ष से एक वर्ष पहले आए हों। उदाहरणात्मक वर्ष 1991 के लिये आधार वर्ष 1988 तथा 1989 के वर्ष होंगे।

4. आवंटन की प्रणाली :

प्रत्येक आवंटन वर्ष में नियंत्रित हेतु माला का आवंटन, नियंत्रित प्रणाली के अनुसार उसके सामने विनिविष्ट वर्षों पर अप्प 16 के अध्यक्षीन किया जायेगा।

प्रणाली	वार्षिक स्तर की प्रतिशतता
क. विगत कार्य नियावत हक्कारी (पीपीई)	40%
ख. संविदा आरक्षण हक्कारी (सीआरई)	25%
ग. सरकारी क्षेत्र हक्कारी (पी.एस.ई.)	3%
ज. पहले प्राप्तों पहले पाप्तों प्रणाली (एक सी-एफ-एस)	20%
इ. विनिर्माता नियंत्रित हक्कारी प्रणाली	12%
योग	100%

(1) उपरोक्त के अन्तर्वा, अध्ययनों, लोकशीलताओं अथवा अन्यथा के परिणामस्वरूप समय-समय पर जो माला उपबन्ध होती उसका आवंटन भी पहले प्राप्तों पहले पाप्तों की प्रणाली के अन्तर्गत किया जायेगा।

(2) मांग पेटने में परिवर्तनों को देखते हुए यदि बाल्कनीय समझा गया तो उपरोक्त से मिल हक्कारियों आवंटित करन का प्रधिकार भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय के पास सुरक्षित है।

3. भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय, यह विनियोग कर सकता है कि यदि वह इस भाव से सन्तुष्ट है कि पहले प्राप्तों पहले पाप्तों प्रणाली के लिए या तो मूल आवंटन द्वारा अधिका अध्ययन/लोकशीलता प्राप्ति के कारण नियंत्रित किसी भी माला को अन्तरः अधिका अध्ययन पूर्णतया किसी ऐसी दूसरी प्रणाली से आवंटित करेगा जैसा कि वह उचित समझे।

6. आवंटन :

आवंटन का उपयोग करने के लिये दो प्रवधियों में बाट विया जायेगा। पहली प्रवधि 1 जनवरी, से 31 मार्च तक होगी। दूसरी प्रवधि 1 जून से 30 सितम्बर तक होगी। कम से कम 50% आवंटनों का पहली प्रवधि के द्वारा उपयोग किया जायगा और योग का दूसरी प्रवधि के द्वारा एक सी-एफ-एस की विवरण 90 दिन होगी, लेकिन 31 दिसम्बर के बाद नहीं होगी। किसी भी हक्कारी का उपयोग न किया गया भाग अप्प 7,8,9 तथा 12 के अध्यक्षीन प्रत्येक प्रवधि के अन्त में स्वतः अध्यर्थित हो जायेगा।

(1) उपर्युक्त प्रणालियों में नियंत्रित मालाएं पहली प्रवधि में रिलीज की जायेंगी। जहाँ तक संभव होगा ये मालाएं पहली जनवरी को भी जायेंगी और इस प्रयोजन के लिये आवेदन पत्र पूर्ववर्ती वर्ष के द्वारा आवंटित किए जा सकते हैं।

(2) एक ई एच प्रणाली के तहत सम्पूर्ण माला आवंटन वर्ष के आरम्भ में उपर्युक्त भारा 4(2) के अध्ययनों दो जाएंगी और इस कार्य के लिये आवेदन पत्र पूर्ववर्ती वर्ष के द्वारा आवंटित कर सकता है।

2. विगत नियावत हक्कारी (पीपीई)

(1) पीपीई के परिकलन के लिये अभिकरण कार्यकारी नियंत्रक द्वारा आवंटित होगा। परिकलन नियंत्रित रूप से किया जाएगा।

(2) उपलब्ध भारों का आवंटन आवेदनकर्ताओं द्वारा प्रत्येक वेश/वैशी में आधार प्रवधि के द्वारा किए गए नियंत्रित के यूट्य के आधार पर समाप्त होना किया जाएगा तथा आवंटन को आधार प्रवधि के द्वारा उक्त वेश/वैशी में भास्त के वार्षिक द्वारा नियावत की सीमा तक प्रतिवर्षित कर दिया जाएगा।

(3) पीपीई की मूल वैशी प्रवधि के द्वारा दोनों दोपीई को दूर्घात समझा होना नियंत्रित किया जा सकता है।

(4) हस्तान्तरित पीपीई (जिसे इनके बावजूद पीपीई नहीं आवेदन) उक्त आवंटन प्रवधि के लिये वैध होगा। जिसमें हस्तान्तरण जागू रुप्ता है।

(5) पीपीई के आधार पर दोष लदाने को गतवार अन्तररक्षता द्वारा किये गये नियंत्रित के रूप में की जायेगी।

(6) पीपीई के अन्तरण की अनुमति पड़ती है।

(7) बाहरी नई प्रवधि के द्वारा पीपीई के अन्तरण की (अवैतनिक विषय 7 (2) के अन्तर्गत अनुमति नहीं है।

8. पीपीई का अस्थर्वण ग्रन्त विनाश

(1) पहली प्रवधि के द्वारा उपयोग में न जाई गई भास्त प्रवधि अध्यक्षित की जायेगी।

(2) संघाती की प्रवधि बढ़ाने के लिये आवेदन पत्र द्वारा आवंटित के पात्र हक्कारी की मूल वैशता प्रवधि के द्वारा अवधय पहुंच जाने आदिते।

(III) ई.एम.सी./बी.जी. को दर नियावत होनी:-

मद	दर
(क) ई.ई.सी./संयुक्त हाज्य अमरीका	4.50 रुपये प्रति कि.मी.
कोर्टों	कोर्टों
(ख) ई.ई.सी., स्वीडन तथा नार्मान को	8.00 रुपये प्रति कि.मी.
फिनिस तथा मेडनप्स	फिनिस तथा मेडनप्स
(ग) अमरीका तथा कनाडा को फेविस	2.00 रुपये प्रति स्कैपर अर्डे
नारा मेडनप्स	अर्डे
(घ) कोर्ट अस्थ यथ	2 रुपये प्रति दर्जन जेन्सी भी, नामला हो।
(ज) कोर्ट अस्थ यथ	एक. भी, बृह्य का 20%

9. संविधा आरक्षण प्रणाली (मो.आर.ई.)

(1) सी.आर.ई. के आवंटन के लिये नियंत्रित की भरती आवेदन पत्र के साथ एक फंड आदेश प्रस्तुत करना होता है। जिसकी उपर्युक्त सी.आर.ई. 17(3) के अनुसार ई.एम.सी./बी.जी. द्वारा पुष्टि की गई हो।

(ii) सी.आर.ई. आवंटन हस्तान्तरण नहीं होता।

(iii) सी.आर.ई. के उपयोग के लिये वह को को प्रधिकारों में बाट जायेगा। पहली प्रवधि 1 अप्रैल से 31 मई तक होनी तथा

तूसरी घरेली 1 जून से 30 वित्तमंत्र से तक होगी। भावंटन का जून से कम 5% यात्रा पहली घरेली के दौरान उपयोग किया जायेगा तथा ऐसा पहली घरेली के दौरान। पहली घरेली के दौरान किस मात्रा का उपयोग नहीं होता है बहुत समाप्त हो जायेगा।

(iv) तथापि तूसरी घरेली के लिये निर्धारित की गई मात्रा की वैधता पैरा 7(3) के निर्धारित वर्ते के आधार पर ई.एम.जी./बी.जी. द्वाय समिति अपने पत के आधार पर 31 वित्तमंत्र से बहाई जासती है। वैधता घरेली व वहाने संबंधी आवेदन पत्र टैक्सप्रोसिल की हक्कारी की मूल वैधता घरेली के दौरान घरेली पहुँच जानी जायेगी।

(v) नियति अविवाय कर से उपर्युक्त उन्न्येता (1) में उल्लिखित आदेश के आधार पर किया जायेगा।

(vi) मात्रा का आवंटन पहले आवेदन पत्रों के आधार पर किया जायेगा। वस्त्र भायुक्त अविवाय मात्रा नियित कर सकते हैं जिसके लिये प्रत्येक आवंटन के वैधता घरेली का आवेदन किया जा सकता है।

अबर किसी बात यिन आवंटन कुल मात्रा जिसके लिये आवेदन किया गया है वितरण हेतु उपलब्ध मात्रा से अधिक है तो उस यिन फलता प्राप्त आवेदन-पत्रों में उच्चतर इकाई मूल्य के आधार पर नियित की जायेगी।

10. सुरक्षारी लोग की हक्कारी (पी.एस.ई.)

(i) केन्द्र/राज्य सरकार के नियंत्रणाधीन नियांसी और जीवं शहरकारी नियांसी के लिये जी. केन्द्र/राज्य सरकार पर विनियोग कर रहा है के लिये 3% का निवारण होगा।

(ii) वस्त्र भायुक्त ऐसे आवेदकों की पात्रता तथा अवता का अनुसंधान करेगा।

(iii) ई.बी. टैक्सप्रोसिल, वस्त्र भायुक्त द्वारा किये गये मूल्यांकन के आधार पर कोटा आवंटित करेगा।

(iv) पी.एस.ई. की वैधता तथा वैधता घरेली वहाने की वहां अवस्था होगी, जो ही.आवंटन.ई. के लिये है।

11. पहले आवो पहले वाली (एफ.सी.एफ.एस.)

(i) ई.एम.डी./बी.जी.जी. के आधार पर पहले आवो-वहाने वालों के आधार पर मात्रा आवंटित की जायेगी।

(ii) वस्त्र भायुक्त अधिकारीम् मात्रा नियित करते जिसके लिये अवर वस्त्र भायुक्त ऐसा करना प्रावधान भवते तो एक नियति का कर्तव्य में एक.सी.एफ.एस. के अधीन प्रत्येक देश/विदेशों के लिये आवेदन देता है।

(iii) इस अवस्था के अन्तर्गत आवंटन 90 दिनों के लिये वैध रहेगा, लेकिन आवंटन-जर्वे के 31 वित्तमंत्र के आवंटन 12 के अनुसार है।

(iv) ई.एम.डी./बी.जी.जी.जिसके लिये आवेदन किया गया है-की वर, एक जी.बी.मूल्य की 5% होगी।

(v) किसी विवेद यिन जब उपलब्ध मात्रा से अधिक मात्रा आवंटित होती है, पात्रता उप तारीख को प्राप्त आवेदन पत्रों के बीच उच्चतर ई.बी.मूल्य आधार पर नियित की जायेगी।

12. नियमांश नियांत्रिक हक्कारी प्रणाली:

(i) इस प्रणाली के अन्तर्गत आवंटन उत्तर नियमांश नियांत्रिक को किस विवेद किन्होंने अधार अधिक के दौरान भवते हों। नन-

मानीमारी में छोटे रूप से प्रौद्योगिकी में आषुनिकीकरण तथा उन्नयन किया है। पात्रता के नियम तथा मानवर्षी सिद्धांतों को बस्त्र भायुक्त द्वारा अलग से अधिसूचित किया जायेगा।

(ii) इस प्रणाली के अन्तर्गत विनियोग नियांत्रिक को पात्रता तथा उत्पादन अवस्था निर्धारित करने का प्राधिकार बस्त्र भायुक्त को होगा।

(iii) इस अवस्था के अन्तर्गत आवंटन के बल उन्हीं वस्तुओं के लिये होगा, जिनका विनियोग बस्त्र भायुक्त द्वारा निर्धारित आषुनिकीकरण तथा अप्रोतिष्ठित उत्पादन एकमें होगा।

(iv) उपलब्ध मात्रा, वस्त्र भायुक्त द्वारा नियित किये गये पात्र आवेदकों को उपयोगन अवस्था के आधार पर कार्यकारी नियेशक, टैक्सप्रोसिल द्वारा, विवित की जायेगी। उपर्युक्त आवंटन हेतु प्रत्येक पत्र आवेदक अधिक से अधिक 15 देशों/विदेशों का व्यवन कर सकता है।

(v) जबकि भी देश/विदेशी में किसी आवेदक का आवंटित की गई मात्रा (वस्त्र भायुक्त द्वारा निर्धारित) बहुत ज्यादा कम होती है, कार्यकारी नियेशक, टैक्सप्रोसिल आवेदक के आवंटित मात्रा परिवर्त हो।

(vi) इस अवस्था के अन्तर्गत आवंटन प्रस्तावनरणीय नहीं है। पाही वर्ते की पुष्टि के समय एक हलकताम प्रस्तुत करेंगे कि नियांत्रित की जा रही वस्तुओं का विनियोग उन उत्पादन एकमें में हुआ है, जिनका आषुनिकीकरण उन्नयन हो गया है।

(vii) इस अवस्था के अन्तर्गत आवंटन के लिए विदेशों की व्यूनतम कीमतें वस्त्र भायुक्त द्वारा अलग से नियांत्रित की जायेगी।

13. व्यूनतम कीमत

हन आरें अवस्थाओं के अन्तर्गत वस्त्र भायुक्त व्यूनतम कीमत नियांत्रित करेंगे। व्यूनतम कीमत नियांत्रित करते समय आधार अवधिक के दौरान, शीसत इकाई नूँव तथा विनियम वर्ते में उत्तर-चाहाप का ध्यान में रखा जायगा।

14. प्रमाणन/पीत लबान

(1) आवंटन, की सभी प्रणालीयों के अन्तर्गत टैक्सप्रोसिल द्वारा प्रमाणन की वैधता 30 दिनों के लिए होगी।

(2) आवंटन की सभी प्रणालीयों में प्रमाणन की वैधता उपर्युक्त पैरा 7(3) में उल्लिखित वर्ते की 50% की प्रतिरिक्त है एम डी/ जी जी और एक सी पी एस के लिए पैरा 10(4) में उल्लिखित मात्रा जिसके लिए ऐसी समय-वृद्धि मानी जाती है, टैक्सप्रोसिल को प्रस्तुत करके टैक्सप्रोसिल द्वारा और 30 दिनों के लिए बहाई जा सकती। समय वृद्धि के लिए सभी आवेदन पत्र टैक्सप्रोसिल के पास मूल प्रमाणन की वैधता अधिक के दौरान टैक्सप्रोसिल के पास अवधार पहुँच जाना चाहिए। (3) यिनके 31 वित्तमंत्र के बाव न तो मूल प्रमाणन और न ही समय वृद्धि प्राप्त प्रमाण-पत्र वैध होगा।

15. कम कारोबार वाली मवे

(1) एक मव की कम कारोबार वाली मव के रूप में तभी अधिसूचित किया जाएगा यदि आधार अधिक के प्रत्येक वर्ते के दौरान तस्वीरी वर्ते के लिए उपयोग आधार मूल स्तर के 75% से कम रहा है। ये ई.बी.टैक्सप्रोसिल उन मवों को अधिसूचित करेगा जो अधिक से अधिक पिछले वर्ष के 1 वित्तमंत्र से कम कारोबार वाली मवे हैं।

(2) इस अधिसूचना के किसी प्रावधानों में कोई सम्य बाव सनिहित हीते हुए भी कम कारोबार वाली मव के लिए सामान्यतम् मिलानिकृत छूट भी जाएगी।

(क) एक सी एक एम के अन्तर्गत आवश्यक एक सी का कोई निर्धारण नहीं होगा।

(ख) एम डी/बी जी की वर एक भी की मध्य के 1% होगा।

(ग) किसी उपर्युक्त एवं अधिक सूचना के बिना चाहती जा सकती है।

16(1) एक नियोनक जो सी की एक एम सा भारत के अन्तर्गत किसी विशेष अवधि में अवश्य गी पी डी एक सी एक एम सी आर है या पी एम ई सहित भी पी ई के लिए समय बढ़िये के द्वारा नियोन वालता के 90% से कम नियोन करता है तो जीनी कि यह है उसके बावजूद उसकी ई एम डी/बी जी की अवश्य कर यी जाएगी। ई डी/टेक्स्ट्रोमिल ई एम डी/बी जी को उस अवश्य के बज्य कर, ऐसा यदि अधिक कारोबार वाली भवित्व के मामने में उपर्योग 75% तक है और कम कारोबार वाली मर्दी के मामने में 50% तक है जो कि उपर्योग में गिरावट के अनुपात में है।

यदि उपर्योग उपर्युक्त में कम है तो ई एम डी/बी जी को पूरी तरह में बज्य कर लिया जाएगा।

(2) इस उद्देश्य के लिए उपर्योग का प्रत्येक देश/श्रेणी के नियोन प्रत्येक प्रशासी और अवधि के आधार पर प्रलग में परिकलिन किया जाएगा। वैश्व/प्रमाणन का समय बड़ाने के सामने में प्रतिशतता उपर्योग की उभ मात्रा के लिए अलग अलग परिकलिन किया जाएगा जिसके लिए प्रमाणन/वैश्वा का बढ़ाया गया है।

(3) सभी जब्त है एम डी/बी जी को भरकार के पी ही खाने में जमा कर दिया जाएगा। और उसका प्रशासन इस प्रकार होगा जैसा सरकार समय समय पर अधिसूचित करे।

(4) जिस अवित को नियोन हकदारी आवंटित की जाती है तो किन जो इमारा पूरी तरह उपर्योग नहीं करते हैं तो उनके विकास की जो रही किसी कार्यालय के संबंध में कोई पूर्वाधिक आपत्ता वित्त भविष्य में इस हकदारी के लिए प्रायोग्य घोषित किए जाने के व्यव्य जिसमेवार होंगे।

(5) जब्त के दूर्व कारण अवश्य सोंडिस जारी किया जाएगा।

17. ई एम डी/बी जी की जब्त के विवाक अपील:

एक नियोनक को जब उपर्युक्त 14 के अन्तर्गत है तो उद्देश्य प्रोमिल द्वारा अवश्य के आदेश द्वारा हानि पहुंचती है तो वह अल्ली संघीय ऐसी सूचना प्राप्त होती के 15 दिनों के भीतर अपने आपुक के समय प्रपील कर सकता है। अपने आपुक एसे अध्यावेदन प्राप्त होने पर शीघ्रात्मक रूप से नियोन करेगा। अपीलों को नियोन समय वह प्रशासी प्रमुख शर्ती यदि कोई हो, को भी ध्यान में रखेगा। वह उनकी वैधता के द्वारा, अपने उपर्युक्त हकदारियों को संपन्न में सत्यता को भी ध्यान में रख सकता है। इस उद्देश्य के लिए वस्तु आपुक व्यव्य द्वारा भवोनीत किसी अधिकारी को शामिल कर सकेगा और उन्हें माध्यम बना सकेगा अपीलकर्ता द्वारा अनुग्रह किए जाने पर वह अवितगत सुनवाई का मौका दे सकता है।

18. हक्करघा उत्पाद

उपर शन्ति उल्लिखित किसी भी शर्त के हात सुए हक्करघा उत्पादों के लिए नियन्त्रित आधार पर कोई का आवंटन किया जाएगा।

प्रणाली प्रतिशतता

प्रणाली	प्रतिशतता
पी ही ई	40%
एक सी एक एम	30%
सी आर ई	30%

(2) पी ही ई तथा एक सी एक एम की लिए ग्राम्य आवश्यक वर्ग वर्तन भवित्व हक्करघा कीटों द्वारा आपूर्त तार पर असंग होती है।

(3) इस नीति से विशेषज्ञता का विवरण करने के लिए हक्करघा कोटा प्रशासनिक समिति होती है। इनमें हक्करघा उत्पादों के लिए वापर विवरणों द्वारा नानीवी में दीव देना भी आवधि होगा।

(क) डा. मत्तिवा/निवाक (नियोन) —अधिकारी

(ख) ई डी (टेक्स्ट्रोमिल) —प्रदर्शन

(ग) ही एक ही सी सां—प्रदर्शन

(घ) अस्त्र प्रायोग्य अवधि उपका प्रतिशत —प्रदर्शन

(ङ) मत्तिवा वस्त्र समिति एवं उनकी प्रतिनिधि —प्रदर्शन

(ज) जे ही सी (हक्करघा) —प्रदर्शन

(4) एक सी एक एम कोटा 10% तक एक वस्त्र एम सी द्वारा पी एम ई एम के लिए आरक्षित होगा।

19. सीमा शूल द्वारा विवरण

(1) प्रतिवेदनात्मक उत्पाद

प्रतिवेदन पत्तत पर सीमा शूल अधिकारीयों द्वारा प्रतिवेदन का अनुसार मूल रूप में नियोन हकदारों द्वारा प्राप्त अलग-अलग प्रेषण खेड़ों के लिए टेक्स्ट्रोमिल या इस उद्देश्य के विविधिंदं किसी अस्त्र उपयुक्त एंजीभी द्वारा जारी पोर्स वर्सिव्हन खिलों की अनंतिलिपि के सम्बोधन के बाद ही दी जाएगी।

(2) हक्करघा उत्पाद:

जहां तक प्रतिवेदित मर्दों के नस्तकी सभी हक्करघा दीक्षाओं/प्रदर्शन के नियोन का संबंध है सीमा शूल अधिकारी/प्रतिवेदन की अनुमति कास्ट्रोनेशन कार्म के पैरा-२ में वस्त्र समिति द्वारा "नियोन-प्राठाकन" के आधार पर देती है।

(3) "हिंडिया आइटम्स" के प्रतीक्षा भाने बाल मेड-अंगम

"हिंडिया आइटम्स" को भारत के परम्परागत लोकशीत के हस्तशिल्प वस्त्र उत्पाद है, के बारे में य एम ए, ई ही सी कलाओं, आम्बिया, स्त्रीदूध, किसलौंड और नार्वे को नियोन के लिए सीमा शूल अधिकारी/प्रतिवेदन की अनुमति विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) नायोन्य द्वारा जारी उपर्युक्त प्रमाणपत्रों के आधार पर देती है।

20. नियोन प्रमाण-पत्र उद्घास-पत्र:

नेशन द्विपक्षीय वस्त्र उत्पाद के प्रवर्ती प्रशिक्षित विविधिंदं प्रवाणा देवस्त्रोविल या उनकी और गो विविधिंदं प्राधिकरूप प्रव्य प्रजेन्सो द्वारा जारी किए जाएंगे।

(1) य एम ए

आणियिक मूल्य के सभी मिलनियित आवरन्तूम फैक्ट्रिकों और मेड-अंगम खेड़ों के लिए जीमा और कर्ण विश्वादर की ओरेंकर-हक्करघा मेड-अंगम के लाए जीमा।

(2) योगीग्र आधार समुदाय

(क) प्रावरन्तूम/प्रिय नियोन-वस्त्रों की सभी प्रतिवेदित मर्दों के लिए

(ख) प्रावरन्तूम/प्रिय नियोन-वस्त्रों की अप्रतिवेदित मर्दों के लिए उद्घास-प्रमाण फत्र:

(3) कलाओं

मिल-नियोन/प्रावरन्तूम/वस्त्र द्वारा प्रविधिधित वस्त्रों के लिए नियोन प्रमाण-पत्र, विक्क ऐसे माल को अंतर्कर किया जाना नहीं होता।

(1) यांचिंगा

दिग्गजों के अधिक प्राप्ति के लिए नियंत्रित वस्त्रों के नियम/प्रमाण पत्र।

(2) स्वाइट

पर्याप्त वस्त्रों के लिए नियंत्रित वस्त्रों के नियम/प्रमाण पत्र।

(3) नाई

पर्याप्त वस्त्रों के लिए नियंत्रित वस्त्रों के नियम/प्रमाण पत्र।

(4) हृषकरथा पर्याप्त प्रमाण पत्र

कनाडा की प्रतिवेदित मर्डों ने दिया है कि वे हृषकरथा फैब्रिक्स/प्रदूषण वास्त्रों का नुस्खा हृषकरथा वस्त्रों के बड़लिनेम तथा स्थानीय अमरीका के नवीनीय आर्थिक गम्भीरायत स्थानीय अमरीका के नवीनीय हृषकरथा वस्त्रों तथा गेड़आस एवं नायक को यक्षालिनेम का नियंत्रित वस्त्रों में वस्त्र समिति द्वारा उत्पादों के बारे में विवादायक कारणों गम्भीर नियंत्रित प्रमाण पत्र जारी करेंगी।

(5) मरकार की बिना पूर्ण मुख्ता के किसी भी पूर्ववर्ती अवधारणा में संबंधित करने का अधिकारी द्वारा।

(6) संवर्धित नियंत्रित मर्डों द्वारा दिया गया वस्त्र समिति तथा विकास आयोजन (हस्तांशित) के कार्यालयों के पास नियंत्रित प्रमाण पत्र जारी करेंगे।

1. वस्त्र आयोजन का यारीलय,

न्यू मीजी ओवरिंग

न्यू मीरीत लाइन,

पोस्ट-बॉक्स नं 11500

बम्बई-400020

2. सूती वस्त्र नियंत्रित मर्डों द्वारा

एशिनियरिंग सेंटर,

क्रांति नल, ११ नेश्य. रोड

बम्बई-400004

3. सिल्क नथा चेन वस्त्र नियंत्रित मर्डों द्वारा

एशम भवन, बार नर्सिमन रोड,

बम्बई-100020

4. उन तथा उनकी वस्त्र नियंत्रित योजनानंतर परिषद्,

६१२/७११, अणोडा इलेट

२५ बारा वस्त्रा रोड,

नई दिल्ली-११०००१

5. काशीन नियंत्रित मर्डों द्वारा

दुकान न. शी-११५, बेक्टर-१८,

पोस्ट ऑफिसन्लॉन,

जिला-गायजीदार

6. विकास आयोजन (हस्तांशित)

वैस्ट लाक न. २, आर. के पूरम,

नई दिल्ली-११००६६

7. ईमटाइल नामित,

“फिल्टर”

२९ डी. एनी शेष्टन रोड,

नई दिल्ली,

बम्बई-४००००१

MINISTRY OF TEXTILES

NOTIFICATION

New Delhi, the 31st August, 1990

Subject : Guidelines for exports under OGL-3 of certain yarn, fabrics and made-up items to countries where such exports are under quantitative restraint for the calendar years 1991-93.

(1) Introduction :

No. 1/4/90-EP(I&J)(Textiles).—In pursuance to provisions contained in OGL-3 in respect of export of yarn, fabrics and made-ups to USA, Canada, EEC, Austria, Finland, Sweden and Norway, the policy for allotment of entitlements (hereinafter referred to as the Allotment Policy) for the years 1991-1993 shall be as hereinafter provided. However, depending upon the outcome of the Uruguay Round of Negotiations and the future of M.F.A., Government reserves the right to amend the policy, as necessary.

(2) Administration :

Unless otherwise directed, the Executive Director, Cotton Textiles Export Promotion Council (TEXPROCIL) shall allocate entitlement for all yarn, fabrics and made-ups except for woollen yarn, fabrics and made-ups for which allotment will be made by the Secretary, Wool and Woollen Export Promotion Council (W&WEPC). However, necessary certification for all such exports shall be done by TEXPROCIL only.

(ii) For the purpose of the above the Executive Director, TEXPROCIL and Secretary, W&WEPC shall mean and include such other officials to whom they expressly or otherwise delegate part or whole of their functions and responsibilities.

(iii) The ED TEXPROCIL and the Secretary, W&WEPC, notwithstanding any delegation effected by them, shall be accountable to the Ministry of Textiles for implementation of the policy.

(iv) The Ministry of Textiles shall be the final authority regarding interpretation of any of the provisions of this notification. The Ministry of Textiles may also issue such guidelines as it deems fit from time to time, regarding agencies of administration, their functions and responsibilities and may reallocate part or whole of the functions and responsibilities to such authorities as it deems fit.

(v) Export entitlements will be allotted only to exporters registered with the competent registering authorities under the Import-Export Policy.

(3) Base Period :

The phrase “Base period” for an allotment year wherever appearing in this Notification shall mean the two calendar years preceding the year immediately before that allotment year. For example the base period for the year 1991 shall be the years 1988 and 1989.

(4) Systems of Allotment :

Quantities for export in each allotment year shall be allotted according to the following systems at rates indicated against each of them subject to Cl. 16.

System	Percentage of Annual Level
(a) Past Performance Entitlement (PPE)	40%
(b) Contract Reservation Entitlement (CRE)	25%
(c) Public Sector Entitlement (PSE)	3%
(d) First Come First Served (FCFS)	20%
(e) Manufacture Exporter Entitlement (MEE)	12%
	Total : 100%

(ii) Apart from the above, quantities that become available time to time on account of surrenders, flexibilities or otherwise shall also be allocated under FCFS System.

(iii) Government of India in the Ministry of Textiles reserves the right to allocate entitlements in variation with the above in case it is considered so desirable in view of changes in demand patterns.

5. Government of India in the Ministry of Textiles may decide, if so satisfied, that part or whole of any of the quantities earmarked for FCFS either by way of original allocation or on account of surrender/flexibilities etc., shall be allotted in such other manner as it deems fit:

(6) Allotments :

(i) For the purpose of utilisation of allotments, the year shall be divided into two periods for PPE, CRE and PSE. The first period shall be from 1st January to 31st May. The second period shall be from 1st June to 30th September. A minimum of 50 per cent of the allotments shall be utilised during first period and the balance during the second period. The validity period of FCFS shall be 90 days, but not beyond 31st December. The unutilised portion of any entitlement shall stand automatically surrendered at the end of each period subject to Cl. 7, 8, 9 and 12.

(ii) The quantities earmarked in the above systems shall be released in the first period. As far as possible, the quantities shall be opened on 1st January and for this purpose applications may be invited during the previous year.

(iii) The entire quantity under FCFS system shall be operated at the beginning of the allotment year [subject to clause 4(ii) above] and for this purpose applications may be invited during the previous year.

(7) Past Performance Entitlement (PPE) :

(i) The agency for computation of PPE shall be E.D., TEXPROCIL. Computation shall be done in the following manner.

(ii) Available levels will be allotted pro-rata on the value of exports during the base period by the applicants in each country/category. Allotments, however, will be restricted to the average annual export performance of India in the country/category during the base period.

(iii) PPE shall be transferable, either in full or in part, during the period of original validity of PPE.

(iv) A transferred PPE (hereinafter referred to as PPT) shall be valid for the allotment period for which the transfer is effected.

(v) Shipments against PPT shall be counted as exports by the transferee.

(vi) Transfer of a PPT is not allowed.

(vii) Transfer of PPE during the period of extension (i.e. either under Cl. 7(ii) or Cl. 12(ii)] is not allowed.

(8) Surrender and Extension of PPE :

(i) The quantity not utilised during the first period shall be automatically surrendered.

(ii) Validity of the quantity not utilised during second period, however, can be extended upto 31st December against letter of credit backed by EMD/BG at the rate mentioned in Sub-Clause (iii) below. An application for extension of validity must reach TEXPROCIL during the period of original validity of the entitlement.

(iii) The rate of EMD/BG shall be as follows :

Item	Rate
(a) Yarn to EEC/USA	Rs. 4.50 per kg.
(b) Fabrics and made-ups to EEC, Sweden and Norway.	Rs. 8.00 per kg.

(c) Fabrics and made-ups to USA and Canada. Rs. 2/- per sq. yd. or Rs. 2/- per dozen as the case may be.

(d) Any other item. 20% of FOB value

(9) Contract Reservation System (CRE) :

(i) For allotment of CRE, the exporter will have to submit alongwith his application, a firm order, backed by EMD/BG prescribed at Cl. 8(iii) above.

(ii) A CRE allotment shall be transferable.

(iii) For the purpose of utilisation of CRE, the year shall be divided into two periods. The first period shall be from 1st January to 31st May and the second period shall be from 1st June to 30th September. At least 50 per cent of the allotment shall be utilised during the first period and the balance during the second period. Any quantity not utilised during the first period shall stand automatically surrendered.

(iv) Validity of the quantity earmarked for the second period, however, can be extended upto 31st December against letter of credit backed by EMD/BG at the rates prescribed at para 8(iii). An application for extension of validity must reach TEXPROCIL during the period of original validity of the entitlement.

(v) Exports shall be necessarily made against order referred to in Sub-clause (i) above.

(vi) Quantities shall be allotted on first come first served basis. Textiles Commissioner may fix the maximum quantity that can be applied for each country/category, if necessary. If on a particular day, the total quantity applied for is more than the quantity available for distribution, eligibility shall be decided on the basis of higher unit value realisation amongst applications received on the day.

(10) Public Sector Entitlement (PSE) System :

(i) For corporations under the control of Central/State Governments and Apex Cooperatives of Central/State level who have manufacturing units there shall be an allocation of 3 per cent.

(ii) The Textile Commissioner shall assess the eligibility and capacity of such applicants.

(iii) The E.D., TEXPROCIL shall allot quota in accordance with the assessment made by the Textiles Commissioner.

(iv) The provisions of validity and extension of validity of PSE shall be the same as that for CRE.

(11) First Come-First Served (FCFS) System :

(i) Quantities shall be allocated on first come first served basis against EMD/BG.

(ii) Textile Commissioner may fix the maximum quantity that can be applied for each country/category under FCFS by an exporter in one day if the Textile Commissioner feels it necessary to do so.

(iii) Allotments under this system shall be valid for a period of 90 days, but not beyond 31st December of the allotment year subject to Clause 14.

(iv) The rate of EMD/BG shall be 5 per cent of FOB value applied for.

(v) On a particular day when available quantities are over-subscribed, eligibility shall be decided on the basis of higher unit value realisation among the applications received on this particular date.

(12) Manufacturer Exporter Entitlement System :

(i) Allotment under this system shall be made to Manufacturer-Exporters who have undertaken substantial modernisation and upgradation of technology in their plant and machinery during the base period. Guidelines and norms of eligibility will be separately notified by the Textile Commissioner.

(ii) The Textile Commissioner shall be the authority to decide the eligibility and production capacity of the Manufacturer-Exporters within the meaning of this system.

(iii) Allotment under this system shall be only in respect of goods manufactured in the production unit modernised and upgraded as determined by the Textile Commissioner.

(iv) Available quantity will be distributed by the Executive Director, TEXPROCIL on the basis of production capacity of eligible applicants as decided by the Textile Commissioner. Each eligible applicant may opt for a maximum of 15 country/categories for the above allotment.

(v) When the quantity allotted to any applicant in any one country/category is too small (as decided by the Textile Commissioner), the Executive Director, TEXPROCIL shall reallocate such quantity in such a manner that the quantities allotted to each of the applicants is reasonable enough.

(vi) Allotments under this system are not transferable. The allottees shall, at the time of certification of shipments submit an affidavit that goods being exported have been manufactured in his production unit so modernised/upgraded.

(vii) Floor prices in respect of categories for allotments under this system shall be separately prescribed by the Textile Commissioner.

(13) Floor Price

Under all the five systems, Textile Commissioner shall fix floor prices. While fixing floor price, the average unit value realisation during the base period and the fluctuations in exchange rates shall be taken into consideration.

(14) Certification/Shipment

(i) The validity of certification by TEXPROCIL under all systems of allotment shall be for a period of 30 days.

(ii) In all systems of allotment, extension of the validity period of certification can be extended by another 30 days by TEXPROCIL by furnishing to TEXPROCIL an additional EMD/BG of 50 per cent of the rates mentioned in para 8(iii) above and para 11(iv) of FCFS for the quantity for which such extension is sought. All application for extension must reach TEXPROCIL during the period of validity of the original certification.

(iii) Neither the original certification nor the extended certificate shall be valid beyond 31st December.

(15) Slow-moving items

(i) An item shall be notified as slow-moving if during each of the years of the base period the utilisation has been less than 75 per cent of the base level for the corresponding years. The ED, TEXPROCIL shall notify the items that are slow-moving latest by 1st December of the previous year.

(ii) Notwithstanding anything else contained in any of the provisions of this notifications, the following relaxations shall be ordinarily available for a slow-moving item :

(a) There shall be no stipulation of compulsory L.C. under FCFS.

(b) The rate of EMD/BG shall be @ 1% FOB Value.

(iii) The above relaxations may, however, be withdrawn without advance notice.

(16) (i) The BG of an exporter who exports less than 90 per cent of the export entitlement in a particular period under PPE, FCFS, CRE or during the extension of PPE including PPT, FCFS, CRE or PSE shall be forfeited as hereinafter provided. The ED, TEXPROCIL shall forfeit the EMD/BG in case utilisation is upto 75 per cent in case of fast moving items and upto 50 per cent in case of slow-moving items proportionate to the shortfall in utilisation. If utilisation is less than the above, the EMD/BG shall be forfeited in full.

(ii) For this purpose, utilisation shall be calculated on each system and each period separately for each country/category. In case of extension of validity/certification, percentage utilisation shall be computed separately for the quantity for which certification/validity has been extended.

(iii) All forfeited EMD/BG shall be deposited into a Public Deposit account of Government to be operated in such manner as Government notifies from time to time.

(iv) Persons to whom export entitlements are allotted but who do not utilise these fully would render themselves liable to disqualification from getting entitlement in future without prejudice to any other action that may be taken against them.

(v) A notice for show cause shall be issued before forfeiture.

(17) Appeal against forfeiture of EMD/BG.

An exporter when aggrieved by an order of forfeiture by ED, TEXPROCIL under para 16 above may appeal before the Textile Commissioner within 15 days of receipt of such communication on forfeiture. The Textile Commissioner shall, upon receipt of such representation give a ruling as early as possible. While disposing of appeals, he may also take into consideration force majeur conditions if any. He may also take into consideration the promptness in surrendering of unutilised entitlements during their validity. For this purpose the Textile Commissioner shall mean and include such other officer designated by him. He shall also give an opportunity for personal hearing if requested for the appellant.

(18) Handloom Products.

Notwithstanding anything contained anywhere above, quota for Handloom products shall be allotted on the following basis :

System	Percentage
PPE	40%
FCFS	30%
CRE	30%

(ii) Conditions for PPE and FCFS shall ordinarily be applicable for Handloom quota mutatis mutandis.

(iii) There shall be a Handloom Quota Administrative Committee to oversee the implementation of this Policy, including granting of relaxations to the provisions of the policy so far as applicable for Handloom products. With the following composition :

- (a) DS/Dir. (Exports)—Chairman.
- (b) ED (Texprocil)—Member
- (c) ED HEPC—Member
- (d) Textile Commissioner or his representative—Member.
- (e) Secretary Textiles Committee or his representative—Member.
- (f) JDC (HL)—Member.

(iv) Upto 10% of FCFS quota may be reserved for PSF by the HQAC.

(19) Clearance by Customs

(i) Products under restraint :

Shipments will be allowed by Customs authorities at the ports of shipment after verifying the certification of export entitlement on the original and duplicate of shipping bills for individual consignments issued by the TEXPROCIL or any other appropriate agency designated for this purpose.

(ii) Handloom Products :

In so far as export of all handloom fabrics/made-ups corresponding to restrained items are concerned, shipments will be permitted by the Customs on the basis of 'Inspection Endorsement' by the Textile Committee in Part-2 of the combination form.

(iii) Made-ups falling under "India item".

In respect of "India Items" which are traditional folklores handicraft textile products of India, shipments will be permitted by the Customs for export to USA, EEC, Canada, Austria, Sweden, Finland and Norway on the basis of appropriate certificate issued by the Officers of the Development Commissioner (Handicrafts).

(20) Export Certificate, Certificate of Origin and Visa.—The following certification required under the relevant Bilateral Textile Agreement will be issued by TEXPROCIL or any other body duly authorised in this behalf.

(i) USA :

Visa for all millmade/powerloom/fabrics and made-ups consignments of commercial value and visa for handloom made-ups excluding floor coverings.

(ii) EEC

- (a) Export Certificate and certificate of origin for all restrained items of powerloom/millmade origin.
- (b) Certificate of origin for non-restrained items of powerloom/millmade/knitted origin.

(iii) CANADA:

Export Certificates for worsted fabrics of millmade/powerloom/knitted origin which are subject to restraint, except for consignments valued at less than Canadian dollar 500.

(iv) AUSTRIA:

Export certificates for fabrics/made-ups of powerloom/millmade origin subject to surveillance.

(v) SWEDEN:

Export Certificate for all made-ups of millmade/powerloom/knitted/crocheted origin under quantitative restraint.

(vi) NORWAY:

Export Certificate/Certificate of Origin in respect of bedlens of powerloom and millmade origin under Category 7.

21. Handloom Exempt Certificate

In the case of export of all handloom fabrics/made-ups corresponding to restrained items to Canada, cotton handloom textile fabrics/made-ups to Austria all handloom, fabrics and made-ups to EEC and the USA, handloom made-ups to Sweden and handloom bedlens to Norway, the Textile Committee will issue the certificate as prescribed in the Bilateral Agreements for such products.

(22) Government reserves the right to make amendments to any of the foregoing provisions without any prior notice.

(23) The addresses of the concerned Export Promotion Councils and the Offices of the Textile Commissioner, Textile Committee and Development Commissioner (Handicrafts) are as follows :

1. Office of the Textile Commissioner,
New C.G.O. Building, New Marine Lines,
Post Box No: 11500,
Bombay 400020.
2. The Cotton Textiles Export Promotion Council,
Engineering Centre,
9th Floor, 93 Mathew Road, Bombay 400004.
3. Silk & Rayon Textiles Export Promotion Council,
Resham Bhavan, Veer Nariman Road, Bombay 400020.
4. The Wool & Woollen Export Promotion Council,
612/714, Ashoka Estate, 24 Barakhamba Road, New Delhi 110001.
5. Carpet Export Promotion Council,
Shop No. B-115, Sector XVIII,
Post Office Noida, Distt. Ghaziabad.
6. Development Commissioner (Handicrafts),
West Block No. 7, R. K. Puram, New Delhi 110065.
Textiles Committee,
"Crystal", 79 Dr. Annie Besant Road,
Worli, Bombay 400018.

Sd/-

P. SHANKAR, Lt. Secy.